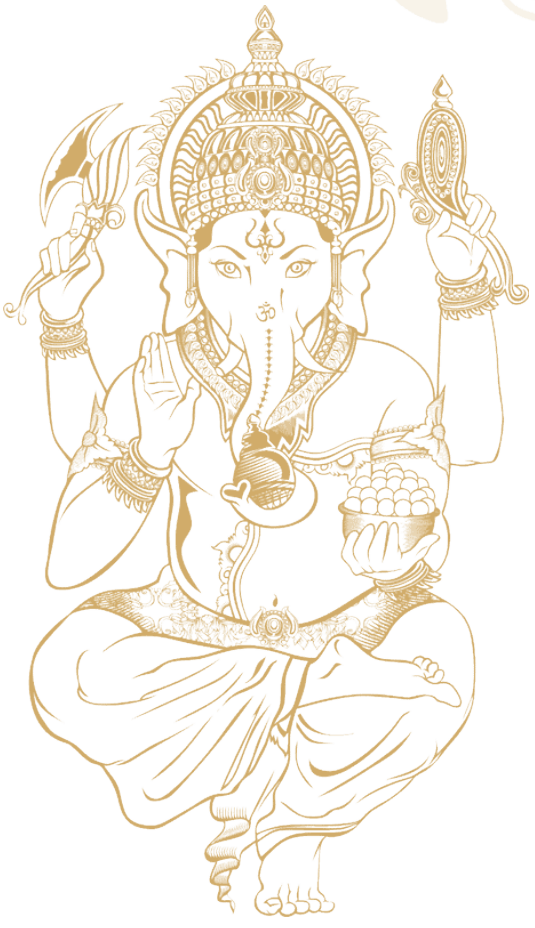

Mr. Deepanshu

Priti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121859304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/04/1991	जन्म तिथि	03/10/1990
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 23:34:00	जन्म समय	23:50:00 घंटे
घटी 43:32:52	जन्म समय(घटी)	43:57:25 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Bahadurgarh
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:42:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:51	सूर्योदय	06:16:18
18:40:16	सूर्यास्त	18:06:24
23:44:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:54

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 8वर्ष 6मा 13दि		24:40:34	वृश्चि	लग्न	मिथु	22:07:24	शनि 14वर्ष 3मा 10दि	
शुक्र		20:43:37	मीन	सूर्य	कन्या	16:33:01	केतु	
17/10/2006		23:18:15	वृश्चि	चंद्र	मीन	06:38:50	13/01/2022	
17/10/2026		07:10:20	मिथु	मंगल	वृष	18:49:48	12/01/2029	
शुक्र	16/02/2010	05:17:01	मेष	बुध	कन्या	02:53:17	केतु	11/06/2022
सूर्य	16/02/2011	09:51:10	कर्क	गुरु	कर्क	15:00:21	शुक्र	11/08/2023
चन्द्र	17/10/2012	26:29:31	मेष	शुक्र	कन्या	09:04:49	सूर्य	17/12/2023
मंगल	17/12/2013	11:40:19	मक	शनि	धनु	25:03:54	चन्द्र	17/07/2024
राहु	17/12/2016	00:26:32	मक व	राहु व	मक	11:26:02	मंगल	13/12/2024
गुरु	18/08/2019	00:26:32	कर्क व	केतु व	कर्क	11:26:02	राहु	01/01/2026
शनि	17/10/2022	19:59:49	धनु	हर्ष	धनु	12:01:22	गुरु	07/12/2026
बुध	17/08/2025	22:58:13	धनु	नेप	धनु	18:05:37	शनि	16/01/2028
केतु	17/10/2026	26:09:44	तुला व	प्लूटो	तुला	22:32:03	बुध	12/01/2029

लग्न-चलित

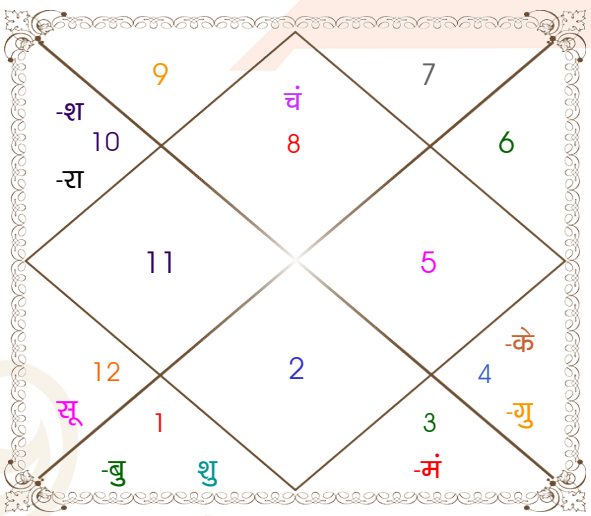

लग्न-चलित

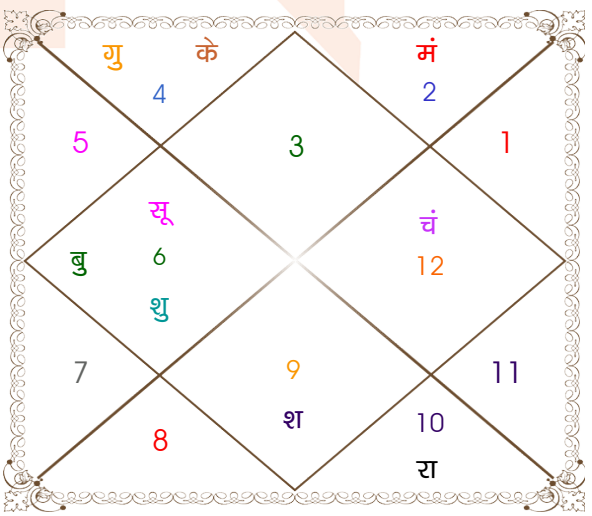

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण् क्ममचंदीन का वर्ग मृग है तथा च्तपजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् क्ममचंदीन और च्तपजप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् क्ममचंदीन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

च्तपजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्तपजप कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह

(राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु च्तपजप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण् क्ममचंदीन कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् क्ममचंदीन तथा च्तपजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।